

पौलुस प्रेरित ह इफसुस म करीब दू साल तक रहिसि अऊ परचार करसि (प्रेरितमन 19:1-20:1; 20:31)। पौलुस ह जब जेल म रहिसि, तब ओह ए चट्टी कलीसिया ला लिखिसि (3:1; 4:1; 6:20); सायद रोम म अपन आखरी समय म ओह ए चट्टी ला लिखे रहिसि। तुखकुस ह ए चट्टी ला लेके कलीसिया म जाथे (6:21-22)। कुछू समय बर इफसुस के कलीसिया ह बढ़थे, पर बाद म ओला चेताय जाथे। एह एक अइसने चट्टी रहिसि, जऊन ला पौलुस ह आने कलीसिया म घलो पठोय चाहथे। पौलुस ह ओहीच समय म कुलुससीमन ला अऊ फलिमोन ला घलो चट्टी लिखिसि। ए चट्टी म, पौलुस ह खास करके परमेसर के ए योजना ला बताथे—“स्वर्ग अऊ धरती म जम्मो चीज ला एक मनखे के अधीन करई।” ए चट्टी के दुवारा पौलुस ह मनखेमन ले एक बनिती करथे की ओमन मसीह म एक होके, मनखेमन के एकता बर परमेसर के योजना के मुताबिक जनिगी बतावय। चट्टी के पहली भाग म, पौलुस ह एकता के बारे म लिखथे। दूसर भाग म, पौलुस ह अपन चट्टी के पढ़इयामन ले बनिती करथे की ओमन अइसने जनिगी जीयंय, जऊन ह मसीह म ओमन के एकता ला देखावय। मसीह म परमेसर के मनखेमन के एकता ला देखाय बर, पौलुस ह अलंकार, रूपक अऊ पटंतर के उपयोग करे हवय: जइसने की कलीसिया ह एक देह के सही अय अऊ मसीह ए देह के मुड़ अय; या कलीसिया ह एक भवन के सही अय अऊ मसीह ए भवन के कोना के पथरा; या कलीसिया ह एक घरवाली सही अय, जेकर घरवाला मसीह अय। चट्टी के लिखइया ह मसीह के मया, बलदान, छेमा, अनुग्रह अऊ सद्धता के बखान करथे। ए चट्टी ला खाल्हे लिखे भाग म बांटे जा सकथे।

भूमिका 1:1-2

मसीह अऊ कलीसिया 1:3-3:21

मसीह म नवां जनिगी 4:1-6:20

सार बात 6:21-24

1 में, पौलुस जऊन ह की परमेसर के ईछा ले मसीह यीसू के एक प्रेरित अंव—इफसुस सहर के ओ संतमन ला ए चट्टी लिखित हंव, जऊन मन मसीह यीसू म बसिवासी मनखे अय।

2 तुमन ला, हमर ददा परमेसर अऊ परभू यीसू मसीह ले अनुग्रह अऊ सांत मिलिय।

मसीह म आतमिक आससि

3 परमेसर अऊ हमर परभू यीसू मसीह के ददा के परसंसा होवय, जऊन ह हमन ला स्वरगीय ठऊर म मसीह म हर एक आतमिक आससि दे हवय। 4 काबरकी परमेसर ह हमन ला संसार ला रचे के पहली मसीह म चुन लीस की हमन ओकर नजर म पबतिर अऊ नरिदोस ठहरिन। 5 अपन खुसी अऊ ईछा मुताबिक, मया म, ओह पहलिच ले ए फैसला करे रहिसि की हमन यीसू मसीह के दुवारा ओकर बेटा बनबो, 6 ताकी ओकर महिमामय अनुग्रह के परसंसा होवय, जेला ओह अपन मयारू बेटा म हमन ला मुफत म दे हवय। 7 यीसू मसीह म हमन ला ओकर लहू के दुवारा पाप ले मुक्ती मिलिसि—याने की पाप के छेमा परमेसर के बहुतायत अनुग्रह के मुताबिक होईस, 8 जऊन ला ओह जम्मो गयान अऊ समझ सहित हमर ऊपर बहुतायत ले खरचा करसि। 9 अऊ ओह अपन ईछा के भेद ला, अपन सुमर्ता के मुताबिक हमन ला बताईस; जऊन ला ओह मसीह म ठान ले रहिसि। 10 ताकी जब समय ह पूरा होही, त परमेसर ह अपन ए योजना ला पूरा करही—याने की ओह स्वरग म अऊ धरती म जम्मो चीजमन ला एक संग एके ज्ञान मसीह के अधिकार म कर दीही।

11 परमेसर के योजना के मुताबिक, एह पहली ले फैसला करे गे हवय की ओम हमन घलो चुने गे हवन। ओह हर एक चीज ला अपन ईछा के उदेस्य के संग पूरा करथे, 12 ताकी हमन जऊन मन की पहली मसीह ऊपर आसा रखे रहें, ओकर महिमा के

इसतुर्ता के कारन बनन। 13अऊ तुमन घलो मसीह म मलाय गे रहेव, जब तुमन सत के बचन ला सुनेव, जऊन ह उद्धार के सुघर संदेस अय। ओम, जब तुमन बसिवास करेव, त परतगियां करे गय पबतिर आतमा के मुहर तुमन म लगसि। 14अऊ ए पबतिर आतमा ह हमर उत्तराधिकारी बने के गारंटी ए, जब तक की परमेसर ह ओमन ला जऊन मन ओकर अंय, पाप ले मुक्ती नई दे देवय, जेकर ले ओकर महिमा के इसतुर्ता होवय।

धनबाद अऊ पराथना

15एकरसेती, जब ले मेंह परभू यीसू म तुम्हर बसिवास के बारे अऊ जम्मो संत बर तुम्हर मया के बारे म सुने हवंव, 16तब ले मेंह तुमन ला अपन पराथना म सुरता करत, तुम्हर बर धनबाद देवई बंद नई करे हवंव। 17मेंह हमेसा बनिती करथंव की हमर परभू यीसू मसीह के परमेसर, महिमा के ददा ह तुमन ला बुद्धी अऊ आत्मिक परकासन के आतमा देवय, ताकी तुमन ओला अऊ बने करके जानव। 18मेंह ए घलो पराथना करथंव की तुम्हर हरिदय के आंखीमन अंजोर होवंय, ताकी तुमन ओ आसा ला जानव, जेकर बर ओह तुमन ला बलाय हवय अऊ ए घलो जानव की संतमन म ओकर उत्तराधिकार के महिमा के धन का अय, 19अऊ हमन बर जऊन मन की बसिवास करथन, ओकर अतुलनीय महान सक्ती का अय। ओ सक्ती ह ओकर सक्तीसाली बल के सही अय, जऊन ह काम करत हवय, 20जेकर उपयोग ओह तब करसि, जब ओह मसीह ला मरे म ले जियाईस अऊ ओला स्वरगीय ठऊर म अपन जेवनी हांथ कोर्ता बईठाईस। 21मसीह ह जम्मो नियम, अधिकार, सक्ती अऊ परभूता के बहुत ऊपर हवय अऊ ओह ओ हर एक नांव के ऊपर हवय, जऊन ला की ए समय या अवइया समय म दिये जा सकथे। 22अऊ परमेसर ह जम्मो चीजमन ला ओकर गोड़ खाल्हे कर दीस अऊ ओला जम्मो चीजमन के ऊपर कलीसिया बर मुखिया ठहराईस, 23अऊ ए कलीसिया ह

ओकर देहें अय अऊ एह ओकर परपूरनता अय, जऊन ह हर एक चीज ला हर कसिम ले पूरा करथे।

मसीह म जनिगी

2 पहिली तुमन अपन अपराध अऊ पाप के कारन मर गे रहेव। 2ए अपराध अऊ पाप म रहत, तुमन ए संसार के रीति अऊ सैतान के पाछू चलत रहेव, जऊन ह अकास म सासन करथे अऊ एह ओ आतमा अय, जऊन ह अब ओमन म काम करथे, जऊन मन परमेसर के हुकूम नई मानय। 3हमन जम्मो इन एक समय एमन के बीच, हमर देहें के लालसा म दनि बतावत रहेंन अऊ देहें अऊ मन के ईछा ला पूरा करत रहेंन, अऊ ए कसिम ले बाकी मानव जाति सहीं, सुभाव ले कोरोध के संतान रहेंन। 4पर परमेसर जऊन ह कदिया के सागर अय, हमर बर अपन बड़े मया के कारन, 5ओह हमन ला मसीह के संग जियाईस, जब हमन अपराध म मर गे रहेंन— अनुग्रह के दुवारा तुम्हर उद्धार होईस। 6अऊ परमेसर ह हमन ला मसीह के संग जियाईस अऊ स्वरगीय ठऊर म हमन ला ओकर संग बईठाईस, 7ताकी अवइया समय म, ओह अपन अनुग्रह के असीम धन ला देखावय, जऊन ला ओह अपन दया ले मसीह यीसू म हमर ऊपर परगट करसि। 8काबरकी अनुग्रह ले, बसिवास के दुवारा, तुम्हर उद्धार होईस। अऊ एह तुम्हर अपन कोर्ता ले नई, फेर एह परमेसर के दान ए। 9अऊ एह मनखे के करम करे के कारन नो हय, ताकी कोनो घमंड इन करंय। 10काबरकी परमेसर ह हमन ला बनाईस अऊ मसीह यीसू म ओ बने करम करे बर गढ़सि, जऊन ला परमेसर ह पहिली ले हमर बर तयार करे हवय की हमन ओ काममन ला करन।

मसीह म जम्मो इन एक अन

11एकरसेती, सुरता रखव की तुमन जनम ले आनजात अव। अऊ जऊन मन अपन-आप ला खतना वाले कहथिं (ओमन के खतना देहें म मनखेमन के हांथ ले करे गीस), ओमन तुमन ला बिगर खतना वाले कहथिं- 12सुरता

रखव, ओ समय तुमन बगिर मसीह के अऊ परमेसर के मनखे इसरायलीमन ले अलग रहेव अऊ परतगियां के करार ले अनजान रहेव, अऊ बगिर आसा के अऊ संसार म बगिर परमेसर के रहेव। 13मसीह यीसू म, तुमन एक समय बहुत दूरहिा रहेव, पर अब मसीह के लहू के दुवारा तुमन लकठा म लाय गे हवव।

14काबरकी मसीह ह खुद हमर सांती ए अऊ ओह यहूदी अऊ आनजातमन के बीच बईरता के ओ दवािल ला नास कर दे हवय, जऊन ह ओमन ला अलग कर दे रहिसि अऊ ओह दूनों दल ला एक कर दे हवय। 15मसीह ह अपन देहें म यहूदी कानून ला, हुकूम अऊ नयिम सहति खतम कर दीस, तार्की ए दूनों जाती म ले ओह अपन खुद म एक नवां मनखे बनावय अऊ ए कसिम ले सांती के स्थापना करय। 16कुरस म अपन मरितू के दुवारा, मसीह ह ओमन के बईरता ला नास करसि अऊ ए कसिम ले एक देहें म, ओह दूनों दल के मेल-मलाप परमेसर करा कुरस के दुवारा कराईस। 17मसीह ह आईस अऊ तुमन ला जऊन मन बहुत दूरहिा रहेव अऊ ओमन ला जऊन मन लकठा म रहिनि, दूनों ला सांती के परचार करसि। 18काबरकी मसीह के दुवारा हम यहूदीमन अऊ आनजात, दूनों पबतिर आतमा के जरयि परमेसर करा आ सकथन।

19एकरसेति, तुमन अब परदेसी अऊ अजनबी नो हव, पर तुमन परमेसर के मनखेमन संग रहइया अऊ परमेसर के परचार के सदस्य अव। 20अऊ तुमन प्रेरति अऊ अगमजानीमन के नींव के ऊपर बनाय गे हवव, जेकर कोना के पथरा खुद मसीह यीसू अय। 21ओम जम्मो घर ह एक संग जुड़े हवय अऊ परभू म एक पबतिर मंदिर के रूप म बढ़त जावत हवय। 22अऊ ओम तुमन घलो एक संग एक घर के रूप म बनाय जावत हवव, जऊन म परमेसर ह अपन आतमा म होके रहथि।

पौलुस परचारक आनजातमन बर

3 एकरे कारन, में पौलुस, तुम आनजातमन के हति म मसीह यीसू के कैदी अंव, अऊ तुम्हर बर पराथना करथेव। 2तुमन परमेसर के ओ अनुग्रह के काम के बारे म जरूर सुने हवव, जऊन ला परमेसर ह तुम्हर बर मोला करे बर दे हवय। 3अऊ ओ काम ए अय कि परमेसर ह अपन भेद ला परगट करसि अऊ मोला बताईस, जइसने कि मेंह पहिली थोरकन लिखे हवंव। 4जब तुमन एला पढ़हू, तब तुमन मसीह के भेद के बारे म मोर गयिन ला समझहू, 5जऊन ला आने पीढ़ी के मनखेमन ला नई बताय गीस, जइसने एह अब पबतिर आतमा के दुवारा परमेसर के पबतिर प्रेरति अऊ अगमजानीमन ऊपर परगट करे गे हवय। 6अऊ भेद ह ए अय—कि आनजातमन, सुघर संदेस के दुवारा इसरायलीमन के संग वारसि, एकेच देहें के अंग अऊ मसीह यीसू म परतगियां के भागी अंय।

7मेंह ए सुघर संदेस के सेवक, परमेसर के अनुग्रह के दान के दुवारा बने हवंव, जऊन ला कि ओकर सामर्थ के परभाव के दुवारा मोला दयि गीस। 8हालार्की मेंह परमेसर के जम्मो मनखे म सबले छोटे अंव, तभो ले ए अनुग्रह मोला दयि गीस कि मेंह आनजातमन ला मसीह के अगम्य धन के परचार करंव, 9अऊ एला अइसने साफ-साफ बतावंव कि हर एक इन ए भेद के बात ला देख सकंय, जऊन ह कि जम्मो चीज के गढ़इया परमेसर म जुग-जुग ले छपि रहिसि। 10तार्की अब कलीसिया के दुवारा परमेसर के नाना कसिम के गयिन ला ओ सासन करइया अऊ अधिकारीमन ला बताय जावय, जऊन मन स्वरगीय जगह (अकास) म हवंव। 11एह ओकर सदाकाल के मनसा के मुताबकि रहिसि, जऊन ला ओह हमर परभू मसीह यीसू म पूरा करसि। 12अऊ मसीह म हमर संगर्ती अऊ मसीह म हमर बसिवास के दुवारा, हमन नधिड़क अऊ भरोसा के संग परमेसर करा आ सकथन। 13एकरसेति, मेंह तुम्हर ले बनिती करत हंव कि जऊन दुःख तकलीफ

तुम्हरे बर मेंह सहथंव, ओकर कारन तुमन हमिमत झन हारव। एह तुम्हरे महिमा अय।

इफसीमन बर पराथना

14 एकरे कारन मेंह ददा परमेसर के आघू म माडी टेकथंव, 15 जेकर ले स्वरग म अऊ धरती ऊपर, बसिवासीमन के हर एक घराना के नांव रखे जाथे। 16 मेंह पराथना करथंव की अपन महिमा के धन के मुताबकि, ओह तुम्हरे अन्तस ला अपन आतमा के दुवारा, सामरथ के संग मजबूत करय, 17 ताकी मसीह ह तुम्हरे हरिदय म बसिवास के दुवारा रहय। अऊ मेंह पराथना करथंव की तुमन मया म जरी पकड़त अऊ बढ़त जावव, 18 ताकी संतमन संग तुम्हरे करा घलो समझे के ए सक्ती होवय की मसीह के मया ह कतेक लम्बा अऊ चाकर अऊ ऊंचा अऊ गहरी अय, 19 अऊ तुमन जान सकव की मसीह के मया ह हमरे गयान ले बढ़ के होथे, ताकी तुमन परमेसर के जम्मो भरपूरी ले भर जावव।

20 अब ओ, जऊन ह अइसने सामरथी अय की हमन जतकी मांगथन या सोचथन, ओकर ले घलो बहुत जादा कर सकथे, अऊ एह ओकर ओ सामरथ के मुताबकि होथे, जऊन ह हमन म काम करथे। 21 ओकर महिमा, कलीसिया म अऊ मसीह यीसू म पीढ़ी दर पीढ़ी, जुग-जुग होवत रहय। आमीन।

कलीसिया म एकता

4 तब परभू खातिर एक कैदी के रूप म, मेंह तुमन ले बनिती करथंव की ओ बुलावा के लइक जनिगी जीवव, जेकर बर तुमन बलाय गे हवव। 2 पूरा-पूरी दीन अऊ नम्र बनव अऊ धीर धरके मया म एक-दूसरे के सह लेवव। 3 सांति के बंधन म बंधाके पबतिर आतमा के एकता ला बनाय रखे के पूरा कोसिस करव। 4 एक देहें अऊ एक पबतिर आतमा हवय, जइसने कएके आसा हवय, जेकर बर परमेसर ह तुमन ला बलाय हवय। 5 एक परभू, एक बसिवास अऊ एक बतसिमा अय। 6 अऊ जम्मो झन के एके परमेसर अऊ ददा अय, जऊन ह जम्मो के

ऊपर अऊ जम्मो के बीच म अऊ जम्मो म हवय।

7 मसीह के ईछा के मुताबकि, हमन ले हर एक झन ला अनुग्रह दयि गे हवय। 8 एकरसेति परमेसर के बचन ह कहथि: “जब ओह ऊंचहा जगह म चघसि, ओह अपन संग बंधुआमन ला ले गीस, अऊ मनखेमन ला बरदान दीस।” 9 (ओह ऊपर चघसि— एकर मतलब होथे की ओह पहिली, धरती के खाल्हे भागमन म उतरसि। 10 जऊन ह खाल्हे उतरसि, एह ओहीच अय, जऊन ह अकासमन ले घलो बहुत ऊपर चघसि, ताकी जम्मो संसार ला अपन उपस्थिति ले भर देवय।) 11 एह ओ अय, जऊन ह कुछू झन ला प्रेरति, कुछू झन ला अगमजानी, कुछू झन ला सुघर संदेस के परचारक अऊ कुछू झन ला पास्टर अऊ गुरुजी होय के बरदान दीस, 12 ताकी परमेसर के मनखेमन सेवा के काम खातिर तयार करे जावय अऊ मसीह के देहें (कलीसिया) ह बढ़त जावय, 13 जब तक की हमन जम्मो झन बसिवास म अऊ परमेसर के बेटा के गयान म एक सहीं नई होवन, अऊ परिपक्व मनखे बनके ओ पूरा सिद्धता ला नई पा लेवन, जऊन ह मसीह म पाय जाथे।

14 तब हमन लइकामन सहीं नई रहबिबो, जऊन मन मनखेमन के धूर्तता अऊ चतुरई के दुवारा ओमन के धोखा देवइया योजना म पड़ जाथें अऊ ओमन के उपदेस के झोंका ले डावां-डोल होके एती-ओती बहकाय जाथें। 15 पर मया म सच ला गोठियाबो अऊ हमन जम्मो बात म, ओम बढ़त जाबो जऊन ह मुड़ी (मुखिया) अय याने की मसीह। 16 अऊ ओकर ले जम्मो देहें जुड़े रहथि, अऊ ओम हर एक जोड़ के दुवारा जम्मो देहें ह एक संग बने रहथि; अऊ जब हर भाग ह अपन काम करथे, त एह अपन-आप मया म बढ़त अऊ बनत जाथे।

अंजोर के लइकामन सहीं जनिगी बतिई

17 एकरसेति, मेंह तुमन ला कहत हंव अऊ परभू म जोर देवत हंव की जइसने आनजातमन

अपन मन के बेकार सोच म चलथें, वइसने तुमन बलिकुल झन चलव। 18ओमन के मन ह अंधियार म हवय। ओमन अपन हरिदय ला कठोर कर ले हवय, जेकर कारन ओमन म अगयानता हवय अऊ अगयानता के कारन ओमन परमेसर के जनिगी ले अलग हो गे हवय। 19ओमन ला कोनो सरम नई ए, ओमन अपन-आप ला दुराचार के काम बर दे देय हवय, ताका हर कसिम के असुध काम म हमेसा देहें के वासना म बने रह्य।

20पर तुमन मसीह के अइसने सकिछा नई पाय हवव। 21तुमन सही रूप म, ओकर सुने हवव अऊ ओ सचचई के सकिछा पाय हवव, जऊन ह यीसू म हवय। 22एकरसेति अपन पुराना चाल-चलन ला छोड़ देवव, जऊन ह तुम्हर पहिली के जनिगी ले संबंध रखथे अऊ अपन धोखा देवइया लालसा के दुवारा बगिड़त जाथे; 23अऊ अपन मन के आतमा म नवां बन जावव; 24अऊ नवां चाल-चलन ला धर लेवव, जऊन ह सही के धरमीपन अऊ पबतिरता म, परमेसर के सरूप म सरिजे गे हवय।

25एकरसेति, लबारी गोठियाय ला छोड़ देवव अऊ तुमन ले हर एक झन अपन पड़ोसी ले सच गोठियावय, काबरका हमन जम्मो झन एके देहें के सदस्य अन। 26गुस्सा त करव, फेर पाप झन करव; सूरज के बुड़त के पहिली अपन गुस्सा ला थूक देवव। 27अऊ सैतान ला कोनो मऊका झन देवव। 28जऊन ह चोरी करथे, ओह अब चोरी झन करय, पर ईमानदारी के काम म अपन हाथ ले महिनत करय; ताका जऊन मन ला जरूरत हवय, ओमन ला देय बर ओकर करा कुछूरहय।

29तुम्हर मुहूं ले कोनो खराप बात झन नकिरय, पर सरिपि ओहीच बात नकिरय, जऊन ह जरूरत के मुताबकि आने मन के बढ़ती म मददगार होथे, ताका जऊन मन सुनय, ओमन ला एकर ले फायदा होवय। 30अऊ परमेसर के पबतिर आतमा ला उदास झन करव, जेकर दुवारा तुम्हर ऊपर ओ दिन बर मुहर लगे हवय, जब पाप ले मुक्ती होही। 31जम्मो कसिम के करू बात, रोस,

गुस्सा, कलह, ननिंदा अऊ जम्मो कसिम के बईरता ला छोड़ देवव। 32एक-दूसर के ऊपर दया अऊ करिपा करव, अऊ जइसने परमेसर ह मसीह म तुमन ला छेमा करसि, वइसने तुमन घलो एक-दूसर ला छेमा करव।

5 एकरसेति, मयारू लइकामन सहीं परमेसर के अनुकरन (नकल) करव, 2अऊ मया के जनिगी जीयव, जइसने मसीह ह हमन ला मया करसि अऊ अपन-आप ला हमर बर महकत भेंट अऊ बलदान के रूप म परमेसर ला दे दीस।

3पर तुम्हर बीच म छिनारी या कोनो कसिम के असुध बात या लालच के चरचा तक झन होवय, काबरका ए बातमन परमेसर के पबतिर मनखेमन बर उचित नो हय। 4अऊ तुम्हर बीच म न खराप बात, न मूर्खता के बात अऊ न खराप हंसी-ठट्ठा होवय, काबरका ए बातमन तुम्हर बर ठीक नो हय, पर तुम्हर बीच म धनबाद के बात होवय। 5तुमन ए नसिचिति जानव कि जऊन ह छिनार, असुध या लालची मनखे अय, ओह एक मूर्ती-पूजक के सहीं अय अऊ अइसने मनखे बर मसीह के अऊ परमेसर के राज म कोनो भाग नई ए। 6कोनो तुमन ला बेकार के बात करके धोखा झन देवय, काबरका अइसने बात के कारन परमेसर के परकोप ओमन ऊपर भइकथे, जऊन मन ओकर बात नई मानय। 7एकरसेति, ओमन के संग कोनो नाता झन रखव।

8काबरका एक समय रहिसि, जब तुमन अंधियार म रहेव, पर अब तुमन परभू के चेला बने के कारन अंजोर म हवव। एकरसेति अंजोर के संतान सहीं जनिगी बतावव, 9(काबरका जिहां अंजोर हवय, उहां जम्मो कसिम के भलाई, धरमीपन अऊ सचचई होथे)। 10अऊ ए पता लगावव कि परभू ह कोन बात ले खुस होथे। 11अंधियार के बेकार के काम म भागी झन होवव; फेर ओमन के खरापी ला परगट करव। 12काबरका जऊन काम ओमन गुप्त म करथें, ओकर बारे म चरचा कई घलो सरम के बात अय। 13पर हर ओ चीज जऊन ह

अंजोर के दुवारा परगट करे जाथे, ओह दखिे लगथे, 14काबरकी अंजोर ह हर एक चीज ला देखे के लइक बनाथे; एकरे कारन, ए कहे गे हवय:

“हे सोवइया, जाग,
मरे मन ले जी उठ,
अऊ मसीह ह तोर ऊपर चमकन
लगही।”

15एकरसेति बहुंत सचेत रहव की तुमन जनिगी म कइसने चलत हव—मुख मनखे सही नइ, पर बुद्धिमानमन सही चलव। 16तुमन ला मलि हर मऊका के जादा से जादा फायदा उठावव, काबरकी समय ह खराप हवय। 17एकरसेति, मुख झन बनव, पर जानव की परभू के मनसा का हवय। 18मंद पीके मतवाल झन बनव, काबरकी एकर ले बहुंत खराप काममन होथें। एकर बदले अपन-आप ला पबतिर आतमा ले भर लेवव। 19एक-दूसर ले परमेसर के भजन, इस्तुति अऊ आतमकि गीत के संग गोठियावव। परभू बर अपन जम्मो हरिदय ले गावव अऊ बजावव। 20अऊ हमेसा, हर एक बात बर, हमर परभू यीसू मसीह के नांव म परमेसर ददा ला धनबाद देवव।

घरवाला अऊ घरवाली

21मसीह के आदर म, एक-दूसर के अधीन रहव।

22हे घरवालीमन, अपन घरवालामन के अधीन रहव, जइसने की परभू के अधीन रहथिव। 23काबरकी घरवाला ह घरवाली के मुड़ी अय, जइसने मसीह ह कलीसिया के मुड़ी अय। कलीसिया ह ओकर देहें अऊ ओह कलीसिया के उद्धार करइया ए। 24जइसने कलीसिया ह मसीह के अधीन रहथि, वइसने घरवालीमन घलो हर एक बात म अपन घरवालामन के अधीन रहंय।

25हे घरवालामन, अपन-अपन घरवाली ला मया करव, जइसने मसीह ह कलीसिया ला मया करसि अऊ अपन-आप ला ओकर बर दे दीस, 26ताकी बचन के परचार के जरयि ओला पानी म धोके साफ करय अऊ

ओला पबतिर बनावय; 27अऊ ओला एक महमिमय कलीसिया के रूप म अपन-आप ला पेंस करय, जऊन म न कोनो दाग, न झुर्री, न कोनो आने दोस रहय। पर ओह पबतिर अऊ नरिदोस होवय। 28एही कसिम ले घरवालामन अपन-अपन घरवालीमन ले अपन खुद के देहें सही मया करंय। जऊन ह अपन घरवाली ले मया करथे, ओह अपन-आप ले मया करथे। 29कोनो मनखे अपन खुद के देहें ले घनि नइ करय, पर ओह ओकर पालन-पोसन करथे अऊ देख-रेख करथे, जइसने की मसीह ह कलीसिया के संग करथे; 30काबरकी हमन ओकर देहें के अंग अन। 31परमेसर के बचन म लिखे हवय: “एकरे कारन मनखे ह अपन दाई-ददा ला छोड़ दीही अऊ अपन घरवाली के संग मलि रहिही अऊ ओ दूनों एक तन हो जाहीं।” 32एह एक बड़े भेद के बात अय—पर मेह मसीह अऊ कलीसिया के बारे म कहत हवंव। 33पर जइसने घलो होवय, तुमन ले हर एक झन अपन घरवाली ला अपन सही मया करय, अऊ घरवाली ह अपन घरवाला के आदर-मान करय।

दाई-ददा अऊ लइकामन

6 हे लइकामन हो, परभू म अपन दाई-ददा के बात मानव, काबरकी एह उचति अय। 2“अपन दाई अऊ ददा के आदर करव”, जऊन ह एक परतगियां के संग पहिली हुकूम ए, 3“ताकी तुमहर भलाई होवय अऊ तुमन धरती म बहुंत दिन तक जीयत रहव।”

4हे ददामन हो, अपन लइकामन ला गुस्सा झन दिलावव, पर परभू के अनुसासन अऊ सकिछा के मुताबकि ओमन के पालन-पोसन करव।

मालकि अऊ गुलाम

5हे गुलाममन हो, जइसने तुमन मसीह के बात मानथव, वइसने आदर, भय, अऊ नसिकपट हरिदय ले अपन संसारकि मालकिमन के बात ला मानव। 6जब ओमन तुमन ला देखत रहथि, त सरिपि ओमन के

दलि जीते बर ही ओमन के बात नई मानव, पर मसीह के गुलाम सहीं अपन हरिदय ले परमेसर के ईछा म चलव। 7 पूरा हरिदय ले सेवा करव, ए समझके कि तुमन मनखे मन के नई, पर परभू के सेवा करत हव, 8 काबरकि तुमन जानथव कि हर एक इन चाहे ओह गुलाम होवय या सुतंतर मनखे, जऊन भलाई के काम ओह करथे, परभू ह ओला ओकर इनाम दही।

9 हे मालकिमन हो, ओहीच किसिम ले तुमन अपन गुलामन संग बरताव करव। ओमन ला इन डरावव-धमकावव, काबरकि तुमन जानथव कि ओमन के मालकि अऊ तुम्हर मालकि ओहीच अय, जऊन ह स्वर्ग म हवय, अऊ ओह काकरो संग पखियापात नई करय।

परमेसर के हथियार

10 आखरी बात ए अय कि परभू म अऊ ओकर बड़े सामरथ के परभाव म मजबूत बनव। 11 परमेसर के जम्मो हथियार ला बांध लेवव ताकि तुमन सैतान के छल-कपट के मुकाबला कर सकव। 12 काबरकि हमर लड़ई हाड़ा अऊ मांस ले बने मनखे के बरिध म नो हय, पर हमर लड़ई ह ए अंधियार संसार के सासन करइयामन ले, अधिकारीमन ले अऊ अंधियार संसार के सक्तमिन के बरिध म अय। अऊ हमर लड़ई ह अकास म सैतान के आत्मकि सेनामन के बरिध म अय। 13 एकरसेति, परमेसर के जम्मो हथियार ले लव ताकि जब सैतान ह हमला करय, त तुमन अपन जगह म मजबूत ठाढ़ रह सकव, अऊ मजबूत ठाढ़ रहे बर जम्मो चीज करे के बाद, 14 सच के कमर पट्टी ले अपन कनहिं ला कस लेवव। धरमीपन के झलिम पहिर लेवव, 15 अऊ अपन गोडमन म सांति के सुघर संदेस के पनही पहिर लव। 16 ए

जम्मो चीज के अलावा बसिवास के ढाल ले लव, जेकर ले तुमन ओ दुस्ट के जम्मो अगनीबान ला बुथाय सकव। 17 उद्धार के टोप अऊ आतमा के तलवार जऊन ह कि परमेसर के बचन ए, ले लव। 18 जम्मो किसिम के पराथना अऊ बनिती के संग हर समय आतमा म पराथना करव। मन म एला रखके सचेत रहव अऊ जम्मो संत मनखे मन बर हमेसा पराथना करत रहव।

19 मोर बर घलो पराथना करव कि जब भी मेंह गोठियावंव, परमेसर ह मोला बचन देवय, ताकि नडिर होके मेंह सुघर संदेस के भेद ला बता सकव, 20 जेकर खातिर मेंह कैद म, एक राजदूत अंव। पराथना करव कि मेंह ए बात ला नहिड़क बोलांव, जइसने कि मोला करना चाही।

आखरी जोहार

21 तुखकिस ह हमर मयारू भाई अऊ परभू म बसिवास के लइक सेवक ए। ओह तुमन ला हर एक बात बताही ताकि तुमन घलो जान लेवव कि मेंह कइसने हवंव अऊ का करत हवंव। 22 मेंह ओला तुम्हर करा एकर खातिर पठोवत हवंव कि तुमन जान लेवव कि हमन कइसने हवन अऊ ए घलो कि ओह तुमन ला उत्साहित करय।

23 परमेसर ददा अऊ परभू यीसू मसीह कोर्ता ले भाईमन ला सांति अऊ बसिवास के संग मया मलिय। 24 ओ जम्मो इन ला अनुग्रह मलिय, जऊन मन हमर परभू यीसू मसीह ले अइसने मया करथे, जऊन ह कभू खतम नई होवय।